आईऐ इस शुभ अवसर पर सभी माता-पिता अपने बच्चों को नीचे लिखे मंत्र की दिक्षा दें।

ॐ भूः भुवः स्वः तत्सवितुः वरेण्यम्।
भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात॥

Gayatri
The Presiding deity of Morning
Recite mantra at least 108 times.

Savitri
The Presiding deity of noon.
Recite Mantra at least 52 times.

Sarasvati
The Presiding deity of evening
Recite Mantra at least 64 times.

मुक्ता विद्रुम हेम नील धवलच्छायैः मुखैः त्रीक्षणैः । युक्ताम् इन्दु निबद्ध रत्न मुकुटां तत्वात्म वर्णात्मिकाम्। गायत्रीं वरदाभयाङ्कुश करां शूलं कपालं गुणं । शङ्खं चक्रमथार विन्दयुगलं हस्तैः वहन्तीं भजे ॥
मे उस गायत्री का गान करता हूँ (with a Concentrated hind) जो तीन नेत्रो वाही तथा, मोतिया, लाल , पीले , नील व , शवेत कान्ति वाले पांच मुखों से युक्त है इसके रत्नो से बने मुकुट मे चन्द्रमा रत्न की तरह जड़ा हुआ है जो सभी तत्वों रूपी (elements) अक्षरों से बनी हुई है और जो हाथो मे वरद, अभय, अंकुश, त्रिशल, कपाल (खोपडी), रस्सी शङ्ख चक और दो कमल धारण किए हुए है।

Through Gayatri we invoke the absolute cosmic consciousness known as 'धी' which vibrates in and sustains the living & Non living World

गायन्तम + त्रायेत, Upon recitation, Saves from Dangers

Price : Promotion & propagation of Kashmir Pandit (Indian) Culture

Printed & Designed by : : Highech # 9906256577, 9419131650

सतीसर फोंउडेशन

गौरी तृतीया आशीष पत्र

शारदा वरदे देवि मोक्षदाता स्वरस्वती

त्रिस्कन्द ज्योतिष पीठ

नालंदा योगेतिक अनुसन्धान केन्द्र

आयुः वेद पाठशाला

विक्रमशिला विद्या पीठ

तन्त्र विद्या पीठ कन्नोज

मूल्य शास्त्र विद्या पीठ

गैरीतृतीयाः शभावसरे भवन्तंप्रति वाग्देव्यनुकम्पा भूयात्। एतदर्थं आशीषरूपेण प्रमाणपत्रमिदं प्रदीयते।

मूल्य-भारतीय (कश्मीरी) संस्कृति का प्रचार व प्रसार